[Shri Devender Goud T.]

if you look at the number of Fellowships that the Government has given, it is very less. It is giving just 300 Junior Research Fellowships and no Senior Research Fellowships! Secondly, the Fellowship amount is also not so encouraging. For example, Government is giving just ₹10,000 per year for humanities and social sciences for the first two years.

In view of the above, I request the Government of India to increase the number of Junior Research Fellowships, introduce Senior Research Fellowships from 2015-16 itself and also increase the fellowship amount to a minimum of ₹ 20,000 p.m. for all streams.

Need to remember and give recognition to the soldiers of armed forces for their heroic deeds against terrorism in the country

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश) : महोदय, 13 दिसम्बर, 2001 को भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन पर पाकिस्तान से आए आतंकवादियों द्वारा हमला किया गया। इस आतंकी घटना का मुख्य षड्यंत्रकारी गाजी बाबा (ताहिर नदीम राणा) के रूप में सामने आया, जिसे पकड़ने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में उल्लेख किया था, जिसका उल्लेख दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और पोटा न्यायालय ने भी किया था। दुर्दांत पाकिस्तानी आतंकी गाजी बाबा 30 अगस्त, 2003 को श्रीनगर में बड़ा आतंकी हमला करने की योजना में था। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा मुख्यमंत्रीगण एवं मंत्रिमंडल के तमाम मंत्रीगण के साथ श्रीनगर में बैठक के लिए आए थे। लेकिन बी.एस.एफ. के एक स्पेशल ऑपरेशन, जिसका नेतृत्व श्री नरेन्द्र नाथ धर दुबे, डी.आई.जी. (बी.एस.एफ.) द्वारा किया गया था, ने गाजी बाबा को मार गिराया। कई गोलियां लगने के कारण श्री दुबे स्थायी रूप से विकलांग हो गए और एक जवान भी शहीद हुआ। मनोबल एवं इच्छा-शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए श्री दुबे पिछले पांच वर्षों से देश सेवा में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। श्री दुबे जैसे कई ऐसे भारत मां के लाल हैं, जो आतंकवादियों से लड़ते हुए स्थायी रूप से विकलांग हो गए हैं, जिन्हें राष्ट्रीय मौकों पर कभी याद नहीं किया जाता, मेडल और मुआवजा देकर भुला दिया जाता है।

अतः मेरी सरकार से मांग है कि ऐसे भुला दिए गए बहादुर देशभक्तों को संसद पर हमले की बरसी के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय मौकों पर भी उनका उल्लेख किया जाए व सम्मानित किया जाए। धन्यवाद।

Need to elaborate measures under skill development programme being started by the Government

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) : महोदय, मैं आपकी अनुमति से सदन में विशेष उल्लेख के द्वारा अति महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूं। युवाओं को रोजगार देने के लिए केन्द्र सरकार ने एम.एस.एम.ई. पर जोर दिया है, जिसके विकास से देश के युवाओं को रोजगार मिल सकेगा।

मंत्रालय के टूल रूम के लिए जो बजट आवंटित किए गए हैं, उसे भी पूरी तरह से खर्च नहीं किया गया। इससे मंत्रालय के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम की गंभीरता पर शंका पैदा होती है।